University in News on 23 January 2021

i-NEXT PAGE 4

एलयू और बीबीएयू के प्रोफेसर होंगे टीम-25 का हिस्सा

गिरते भू-जल स्तर के प्रति जागरूक करने के लिए बना ग्राउंड वाटर एक्शन ग्रुप

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (22 Jan): गिरते भू-जल स्तर के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए ग्राउंड वाटर एक्शन ग्रुप की टीम-25 जागरूकता अभियान चलाएगी. इस टीम में लखनऊ यूनिवर्सिटी के भू-विज्ञान विभाग के प्रो. विभूति राय, बीबीएयू के प्रो. वेंकटेश दत्ता, स्टेट ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट से सेवानिवृत्त हाइड्रो जियोलाजिस्ट आरएस सिन्हा, हाइड्रो जियोलाजिस्ट नवीन कुमार, एनएसएस के डॉ. अंशुमाली शर्मा सहित कई प्रमुख लोग शामिल हैं.

अगले माह होगी बैठक

फरवरी के पहले सप्ताह में बैठक कर भू-जल स्तर को बचाने के लिए योजना बनाई जाएगी, फिर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा. एलयू के भू-विज्ञान विभाग के प्रो. विभूति राय ने बताया कि हर साल एक से दो मीटर भू-जल स्तर नीचे जा रहा है. कहीं-कहीं दो मीटर से ज्यादा भी है. लखनऊ के इंदिरा नगर, कैंट एरिया में भी भू-जल स्तर की स्थिति ठीक नहीं है. लोग जागरूक होंगे तो लाखों लीटर पानी बचा सकेंगे. प्रो. विभूति राय के मुताबिक मार्च में लविवि में भी जल का कल, कल का जल विषय पर जल संवाद करने की योजना है. गिरता जल स्तर एक गंभीर समस्या है, जिससे सभी को मिलकर निपटना होगा.

एलयू में अब कर्मचारियों को समय पर आना होगा

LUCKNOW (22 Jan inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी के विभागों एवं कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों की लेटलतीफी नहीं चलेगी. सभी को समय से कार्यालय उपस्थित होना पड़ेगा. सप्ताह में एक बार औचक निरीक्षण भी होगा. बिना बताए अनुपस्थित मिलने पर कार्रवाई की जाएगी. शासन के आदेश पर शुक्रवार को विभागों में भी पत्र पहुंच गये. विभाग के हेड ने भी अपने कर्मचारियों को इसके निर्देश दे दिये. कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सभी कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समय से उपस्थिति के संबंध में शासन से आदेश आए हैं.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

संस्कृत पढ़ने से होती है राष्ट्र की उन्नति

लखनऊ। संस्कृत को पढ़ने से केवल भाषा की उन्नति नहीं बल्कि राष्ट्र की उन्नति भी होती है। लविवि के कला संकायाध्यक्ष प्रो. बृजेश शुक्ला ने शुक्रवार को नवयुग कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग व लोकभाषाप्रचार समिति की ओर से आयोजित 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला के समापन पर यह बात कही। इस मौके पर हास्य लघु नाटिका नारदस्य विवाहेच्छा, संस्कृत में लघु कथा, चुटकुले, संवाद, श्लोक गान प्रस्तुत किए गए। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव ने की।

DAINIK JAGRAN PAGE 8

कैंपस से रहेगी परीक्षा केंद्रों पर सीधी नजर, सचल दल करेगा निरीक्षण

लखनऊ विवि में 28 से शुरू हो रहीं सेमेस्टर परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, लखनऊ : आगामी 28 जनवरी से शुरू होने वाली लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं की लाइव मानीटिरिंग होगी। यानी जो भी परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, उनके सीसीटीवी कैमरों को डिवाइस और वेब कास्टिंग के जरिए विश्वविद्यालय परिसर की कम्प्यूटर सेल से जोड़ा जाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। यहां से हर केंद्र की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा सचल दल भी नकल रोकने के लिए औचक निरीक्षण करेंगे।

लविवि स्नातक तीसरे और पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाओं में करीब एक लाख 40 हजार छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इसके लिए 50 केंद्र बनाए जा चुके हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएस सक्सेना ने बताया कि परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय परिसर से ही वेबकास्टिंग के जरिए इन केंद्रों पर लाइव नजर रखी जाएगी। इसकी प्रक्रिया चल रही है। हर एक सेंटर का हाल एक क्लिक में स्क्रिन पर दिखाई पड़ेगा। अगर कहीं गड़बड़ी लगती है तो तत्काल वहां के केंद्र अधीक्षक को निर्देशित किया जाएगा।

26 जनवरी को जारी हो सकते हैं एडमिट कार्ड : परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक स्नातक परीक्षाओं के लिए जिन छात्रों ने अभी तक फार्म नहीं भरे हैं, उन्हें 25 जनवरी तक मौक दिया गया है। 26 जनवरी को एडमिट कार्ड जारी करने की तैयारी है।

छात्र वेबसाइट से इसे डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा में कितने शिक्षक ड्यूटी करेंगे, यह अभी तय नहीं है। 25 जनवरी के बाद परीक्षार्थियों के फाइनल आंकड़ों के बाद यह पता चलेगा। इसके अलावा भी विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तरों पर नकल रोकने के लिए उपाय किए गए हैं।

10 सचल दल रोकेंगे नकल

सेमेस्टर परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए सचल दल बनाने की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। चीफ प्राक्टर प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि 10 सचल दल बनाए जाएंगे जो कि परीक्षा केंद्रों पर नकल रोकने के लिए औचक निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरो पर भी नजर रखी जाएगी। निरीक्षण के समय कैमरे की वायर रिकार्डिंग भी चेक होगी।

लविवि कार्य परिषद के तीन सदस्य नामित

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं लखनऊ विवि की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विवि की कार्य परिषद में तीन नए सदस्य नामित किए। सदस्यों में वाराणसी निवासी एवं पूर्व कुलपति प्रो. कृपा शंकर, अंशु टंडन (निर्माता एवं निर्देशक केमिकल एवं इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग, लखनऊ) और समाजसेवी वाराणसी निवासी धर्मेंद्र सिंह शामिल हैं। इनका नामांकन दो वर्ष की अवधि के लिए होगा। (जासं)

परीक्षा 29 से

लखनऊ: लविवि एमकाम तीसरे सेमेस्टर की मिड सेमेस्टर टेस्ट के छूटे छात्रों की पुन: परीक्षा 29 और 30 जनवरी को होगी। शुक्रवार को विभाग के हेड प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि इसका कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 3

निर्णय | अन्य कोर्सों के लिए चल रही समीक्षा, बीकॉम व एलएलबी की पूर्व में बढ़ चुकीं सीटें

मांग वाले कोर्सों की सीटें बढ़ाएगा लविवि

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी आर्थिक स्थिति दुरूस्त करने के लिए अपनी आमदनी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन अब अपने अधिक मांग वाले कोर्सों की सीटें बढ़ाने की तैयारी में है ताकि अधिक सीटों पर प्रवेश होने से आमदनी में बढ़ोत्तरी हो सके।

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार अपनी आर्थिक तंगी का हवाला देता रहा है लेकिन गत वर्ष पूर्व कुलपति आलोक कुमार राय के आने के बाद से विश्वविद्यालय के आलाकमान की ओर से बजट को लेकर रोना बंद हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से गत वर्ष भी बिना फीस बढ़ाये ही बीकाम और एलएलबी की सीटों में बढ़ोत्तरी कर दी है। इसी तर्ज अब विश्वविद्यालय प्रशासन अन्य कोर्सों की समीक्षा कर सीटें बढ़ाने का मन बनाये हुए है।

इन कोर्सों में बढ़ सकती हैं सीटें

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीकॉम व एलएलबी की सीटें बढ़ चुकी है। इसके अलावा बीएससी मैथ और बायो को लेकर भी मंथन रहा है। इसी तरह परास्नातक स्तर की बात की जाये तो एमकॉम के कामर्स और एप्लाइड इकोनॉमिक्स के साथ ही एमएससी के बायोकैमेस्ट्री में 25 सीटें के लिए गत वर्ष 148 आवेदन आये थे। एमएससी बोटनी, प्लांट साइंस व माइक्रोबायोलाजी में 135 सीटें के लिए 758 आवेदन आये थे। वहीं एमएससी कैमेस्ट्री, फार्मास्युटिकल की 130 सीटों के लिए 656 आवेदन आये थे। वहीं, एमएससी फीजिक्स व रिनेवल एनर्जी 97 सीटों के लिए 467 आवेदन आये थे। यदि सिर्फ सेल्फफाइनेंस की बात की जायें तो एमएससी के इंवायरमेंटल एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एप्लाइड जियोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस, फारेंसिक साइंस और एमएससी मैथमेटिक्स के रेगुलर कोर्स 150 सीटों को लिए 609 आवेदन आये थे और एमएससी जूलॉजी की 50 सीटों के लिए 572 आवेदन आये थे। यह सभी आकड़े बीते वर्ष के हैं, जिनसे आसानी से स्पष्ट हो जाता है कि यही ऐसे कोर्स जिसमें विश्वविद्यालय प्रशासन को सीटें बढ़ाने का लाभ जरूर मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते सत्र में स्नातक में चार हजार से अधिक आवेदन आये थे। वहीं, परास्नातक में भी रिकार्ड आवेदन आये थे। आवेदन की स्थिति को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन काफी उत्सुक है और उन्हें और भी उम्मीद है कि इस बार भी आवेदन की स्थिति बेहतर रहेगी।

> लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने का सपना बहुत से छात्रों का होता है। ऐसे में सभी प्रवेश तो नहीं मिल पाता लेकिन सीटों को बढ़ाने से कुछ और छात्र विश्वविद्यालय में पढ़ाई का अवसर पायेंगे और इससे विश्वविद्यालय आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आत्मनिर्भर की ओर कदम और आगे बढ़ेगा।
> **-डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव,** *प्रवक्ता, लविवि*

PIONEER PAGE 3

प्रवेश को लेकर छात्रों के लिए कॉल सेंटर बनाएगा एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया को देखते हुए प्रवेश के इच्छुक छात्रों की समस्याएं सुलझाने के लिए कॉल सेंटर स्थापित करेगा। इस काल सेंटर को विवि की कर्मयोगी योजना से भी जोड़ा जाएगा। जिससे छात्रों को काम करने का मौका मिल सके। विवि स्तर पर इस बार केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में व्यापक सुधार किया जा रहा है। दाखिले के लिए बनने वाली समिति में निजी कॉलेजों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा।